लखनऊ
सोमवार, 25 अप्रैल 2022
वर्षः-6 अंकः-38
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

सपा आजम के साथ है, जमानत के लिए प्रयास करेंगेः अखिलेश यादव

पंचायती राज का खूब ढोल पीटा गया,

पर वंचित रह गया था जम्मू-कश्मीरः मोदी

देश के 175 कानून यहां लागू नहीं थे, हमने बदली व्यवस्था

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। पंचायती राज दिवस के मौके पर जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया कि उनकी सरकार आने के बाद यहां क्या-क्या बदल गया है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में पिछड़ों को आरक्षण, न्याय और विकास मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायती व्यवस्था को लागू करने से यहां के लोग खुद अपनी व्यवस्था को संभाल रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए न मैं नया हूं, न यहां के लोग मेरे लिए नए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण बेहद अहम है और इससे विकास को गति मिलेगी।

पल्ली के लोगों ने बताया, कैसे होता है सबका प्रयास

पीएम मोदी ने कहा कि मंच पर आने से पहले मैं पंचायत के सदस्यों के साथ बैठा था और मुझे महसूस हुआ कि उनके संकल्प और इरादे कितने नेक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दिल्ली के लाल किले से सबका प्रयास बोलता हूं, लेकिन जम्मू-कश्मीर और पल्ली के नागरिकों ने यह करके दिखाया है कि सबका प्रयास क्या होता है।' उन्होंने कहा कि यहां के पंच और सरपंच मुझे बता रहे थे कि जब कार्यक्रम तय हुआ तो उसकी तैयारियों को लेकर लोग आ रहे थे तो उनके खाने की व्यवस्था हर घर से की गई। हर घर से रोटियां जुटाई गईं और लोगों को खाना खिलाया गया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं इस मंच से गांव के सभी लोगों को नमन करता हूं। इस बार पंचायती राज दिवस जम्मू-कश्मीर में मनाया जाना बदलाव और गर्व का प्रतीक है।

पंचायती राज का खूब ढोल पीटा गया, पर वंचित रह गया था जम्मू-कश्मीर

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र ग्रासरूट तक पहुंचा है और आज मैं यहां से पूरे देश को संबोधित कर रहा हूं। भारत में जब पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई तो काफी ढोल पीटा गया, लेकिन यह व्यवस्था जम्मू-कश्मीर में नहीं लागू की गई। मेरे जम्मू-कश्मीर के लोग इससे वंचित ही रहे। पीएम मोदी ने कहा, 'दिल्ली में आपने मुझे सेवा का मौका दिया और जम्मू-कश्मीर में पंचायत व्यवस्था लागू हो गई। पंचायतों में 30 हजार प्रतिनिधि चुन कर आए हैं और वे जम्मू-कश्मीर के सिस्टम को संभाल रहे हैं। यहां पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए।'

देश के 175 कानून यहां लागू नहीं थे, हमने बदली व्यवस्था

पीएम मोदी ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर पूरे देश के लिए नया उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। केंद्र के लगभग के 175 कानून यहां लागू नहीं होते थे, लेकिन हमने जम्मू-कश्मीर को सशक्त करने के लिए उन कानूनों को लागू कर दिया। इन कानूनों का सबसे अधिक लाभ यहां की बहनों, बेटियों, गरीबों, दलितों और पीड़ितों को हुआ। आज मुझे गर्व हो रहा है कि आजादी के 75 साल के बाज जम्मू-कश्मीर के मेरे वाल्मीकि समाज के भाई-बहन हिंदुस्तान के अन्य नागरिकों की बराबरी में आने का हक प्राप्त कर पाए हैं। उनके पैरों में बेड़ियां डाल दी गई थीं, लेकिन 7 दशकों के बाद वे मुक्त हो सके हैं।

हमें आशीर्वाद दे रही होगी बाबासाहेब आंबेडकर की आत्मा

जम्मू-कश्मीर में बरसों तक जिन लोगों को आरक्षण नहीं मिला था, अब उन्हें भी यह फायदा मिल रहा है। आज बाबासाहेब की आत्मा जहां भी होगी, हम सभी को आशीर्वाद देती होगी। केंद्र सरकार की योजनाएं अब यहां तेजी से लागू हो रही हैं। इसका सीधा फायदा जम्मू-कश्मीर के गांवों को हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि एक दौर था, जब दिल्ली से चली फाइल यहां पहुंचने में महीनों लगते थे, लेकिन आज तीन सप्ताह में सोलर प्लांट लग जाता है। उन्होंने कहा कि पल्ली गांव देश में ऊर्जा स्वराज का भी एक बड़ा उदाहरण बन गया है।

दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास, बनिहाल टनल की दी सौगत

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद पहली बार पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने सांबा में 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया। इससे वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा करना आसान होगा। इसके अलावा राज्य की कनेक्टिविटी भी दिल्ली से बेहतर होगी। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने किश्तवाड़ जिले में चेनाब नदी पर 540 मेगावॉट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास किया। इसके अलावा ऑल वेदर काजीगुंड बनिहाल टनल का पीएम नरेंद्र मोदी ने डिजिटल लोकार्पण किया। सांबा के पल्ली जिले की पंचायत को भी पीएम नरेंद्र मोदी ने 500 किलोवॉट के सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पल्ली देश की पहली ग्रीन पंचायत हबो गई है। यही नहीं उन्होंने 108 जनऔषधि केंद्रों को भी जनता को समर्पित किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान गांव की जमीन का मालिकाना हक देने वाला स्वामित्व कार्ड भी दो लोगों को सांकेतिक तौर पर प्रदान किया।

An ISO 9001-2008 Certified Institute

डी.एन.एम.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ

एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

"ZERO शिक्षण शुल्क "

- JEECUP काउंसलिंग मे उत्तीर्ण छात्र / छात्राओं के लिए
- SC/ST वर्ग के लिए
- EWS (आर्थिक रूप से कमजोर)के लिए
- छात्राओं के लिए

पॉलीटेक्निक
अन्य सभी वर्गो के लिए
15000 प्रति वर्ष

बी.ए./बी.एस.सी.
अन्य सभी वर्गो के लिए
10000 प्रति वर्ष

सम्पर्क करें -7880341111

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के लिए www.dnmiet.ac.in

स्कूल संचालक नहीं मान रहे शासन प्रशासन का आदेश

पूर्व निर्धारित समय से संचालित हो रहे स्कूल, चिलचिलाती धूप में बच्चों का बुरा हाल

अरविंद सिंह चौहान

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। गर्मी के तांडव को देखते हुए शासन प्रशासन ने भले ही स्कूलों के समय में परिवर्तन करते हुए आदेश जारी किया था। लेकिन इसके बावजूद किसी भी विद्यालय पर इस आदेश का कोई असर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जिसकी वजह से राजधानी लखनऊ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में पूर्व निर्धारित समय के हिसाब से स्कूलों का संचालन किया जा रहा है।

भंयकर चिलचिलाती धूप में बच्चों का बुरा हाल है।अभी कुछ दिन पूर्व शासन ने भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में पूर्व निर्धारित समय में परिवर्तन करते हुए सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक ही स्कूलों के संचालन का आदेश दिया था। इस आदेश को पूरी तरीके से स्कूल संचालकों द्वारा ठेंगा दिखाया जा रहा है और मनमाने तरीके से स्कूल प्रबंधन विद्यालय का संचालन कर रहे हैं। जो उन्होंने पहले स्कूलों में क्लास लगने का समय निर्धारित किया था और छुट्टी होने का समय जो पहले से ही सुनिश्चित है। उसी के हिसाब से विद्यालय खुलने और बंद होने का कार्य जारी है। इन स्कूलों पर जरा सा भी शासन प्रशासन के आदेश के असर पड़ता हुआ नहीं दिखाई दे रहा है।जिसको लेकर अभिभावकों में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश बना हुआ है।हैरानी की बात यह है कि शासन लगातार बच्चों की भीषण गर्मी पर परेशानियों को देखते हुए स्कूल की समय सारणी परिवर्तन किया है।

लेकिन इसको विद्यालय तंत्र कुछ भी मानने को तैयार नहीं है। इस बात को लेकर आम लोग अचंभित है।जिस तरीके से भीषण गर्मी तांडव काट रही है। इसमें घरों के अंदर रहने वाले लोग बीमार पड़ जा रहे हैं वही छोटे-छोटे बच्चे चिलचिलाती धूप में जब दोपहर के समय छुट्टी होती है तो घर वापस आते हैं तो गर्मी की तपिश से का बुरा हाल होता है। बच्चों की यह परेशानियां मनमाने स्कूल के संचालकों को दिखाई नहीं दे रही है। यह इतने कठोर हो गए हैं कि छोटे-छोटे बच्चों की सूखे होठों पर भी तरस नहीं खाते हैं।जो गर्मी की तपिश से सूख जाते

हैं। फिर भी विद्यालयों के समय में कोई परिवर्तन शासन के शासनादेश जारी होने के बावजूद नहीं किया है।

इन स्कूलो खिलाफ शासन को कठोर से कठोर कदम उठाना चाहिए।जिससे इनमें भी अन्य विभागों की तरह भय का माहौल उत्पन्न हो सके और जो भी शासन प्रशासन द्वारा आदेश जारी किए जाएं उनको पूरी तरीके से लागू किया जाए नहीं तो उनकी मनमानी का रवैया इसी तरीके से मासूमों की जान के साथ खिलवाड़ करता रहेगा। राजधानी में लगभग सभी स्कूलों का रवैया एक जैसा है। कोई भी इस आदेश के उल्लंघन से अछूता नहीं है।अगर इसी तरीके का अड़ियल रवैया विद्यालयों के संचालकों का जारी रहा तो शासन प्रशासन के आदेश मात्र मजाक बनकर रहे जाएंगे।

राजेश्वर सिंह ने की सीएम योगी से उन्नाव-लखनऊ रोड पर वेयर हाउसिंग उद्योग व लॉजिस्टिक पार्क स्थापना की मांग

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। लखनऊ के सरोजिनी नगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और राज्य के विकास के प्रति उनके प्रगतिशील दृष्टिकोण के लिए उनकी सराहना की। विधायक ने मुख्यमंत्री को राज्य को महत्वपूर्ण सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर करने, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए रोजगार पैदा करने के लिए बधाई दी।

उन्होंने एनसीडीसी केंद्र को मंजूरी देने के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया, जो स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा और रोजगार भी पैदा करेगा। सिंह ने मुख्यमंत्री से राज्य की राजधानी में उन्नाव-लखनऊ मार्ग पर लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने और वेयरहाउसिंग उद्योग के विकास का भी अनुरोध किया। विधायक ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को मजबूत करने के लिए निजी क्षेत्र के एकीकरण के महत्व को रेखांकित किया, जिसे उन्होंने बताया, भूमि आवंटन, संस्थागत संरचना और समग्र वातावरण को सक्षम करने के लिए एक मजबूत और संगठित ढांचे द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि इसके लिए उन्नाव-लखनऊ मार्ग पर लॉजिस्टिक पार्क के विकास पर एक कांसेप्ट नोट तैयार किया गया है. नोट में राज्य सरकार द्वारा विचार के लिए प्रारंभिक जानकारी और ढांचे के कार्यान्वयन पर कुछ सुझाव शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (एलआईडीए) द्वारा अधिसूचित 84 गांव थे जो लगभग 299 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैले हुए थे और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण सड़कों के मार्ग से इसके विकास की अपार संभावनाएं हैं।

अपने नोट में, सिंह ने आगे उल्लेख किया कि कैसे उनके विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लखनऊ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पड़ोसी कुरौनी गांव में 351 एकड़ भूमि का अधिग्रहण

पूरा किया गया था, मुआवजे की राशि का भुगतान किया गया था और भूमि एलआईडीए के नाम पर पंजीकृत थी। उन्होंने बताया कि कैसे मास्टर प्लान के अनुसार उक्त भूमि पर रसद और आवास योजना शुरू की जा सकती है, जो बदले में रोजगार पैदा कर सकती है और राज्य के खजाने में राजस्व का योगदान भी कर सकती है।

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि वर्तमान में, भारत के कुल माल का 60% सड़कों के माध्यम से कैसे पहुंचाया जाता है। पीएम मोदी ने यह भी बताया है कि भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत 13-14% के बीच कैसे है और उनकी सरकार का लक्ष्य इसे जीडीपी के 8-10% तक लाना है। श्री सिंह ने यह भी सुझाव दिया कि इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए घने शहरी क्षेत्रों के बाहर मल्टी-नोडल लॉजिस्टिक्स पार्कों का निर्माण किया जा सकता है, कुछ ऐसा जो शीर्ष 15 नोड्स के लिए परिवहन लागत में लगभग 10% की कमी को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि इस तरह की परियोजना क्षेत्र के लिए बेहद फायदेमंद होगी और इसे राज्य के अन्य हिस्सों के लिए एक शोकेस प्रोजेक्ट के रूप में भी विकसित किया जा सकता है।

सरोजनी नगर सीएचसी पर आयोजित हुआ ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेला

स्वास्थ्य मेले में बेसिक शिक्षा विभाग का पंडाल रहा आकर्षण का केंद्र

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनी नगर के प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ मेयर संयुक्ता भाटिया ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में विभिन्न विभागों के स्टाल व चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई गई। जहां उपस्थित चिकित्सकों द्वारा आए हुए ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण व दवाइयां वितरित की गई।

मेले मे खण्ड शिक्षा अधिकारी सरोजनीनगर राममूर्ति यादव के निर्देशन मे बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से टी.एल.एम का पांडाल लगाया गया। बेसिक शिक्षा विभाग का इंस्टॉल आकर्षक का केंद्र रहा जिसमें बेसिक शिक्षकों द्वारा बनाए गए टी.एल.एम में विभाग के संचालित कार्यक्रम उत्तर

प्रदेश एक नजर में टी.एल.एम ऑटोमेटिक, ट्रैफिक लाइट आओ सीखे अक्षर, अंग्रेजी में कंपाउंड वर्ड उल्लेखनीय रहे।

इसी क्रम में आंगनबाड़ी कृषि विभाग आदि के भी स्टाल लगाए गए। वही मौके पर मौजूद मेयर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि मेले के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि एक ही स्थान पर एक ही समय स्वास्थ्य सेवा से लेकर शिक्षा, कृषि एवं विकास परियोजनाओं का संपूर्ण लाभ मिल सके।

वही इस मौके पर मुख्य रूप से टी.एल.एम. ए.आर.पी. उदय प्रताप सिंह, रश्मि खरे, अनिशा सिह, शिल्पी खन्ना, रश्मि मिश्रा, प्रीती गुप्ता, अशोक कुमार यादव, सतविंदर कौर, नीलिमा चतुवेर्दी, सोनी सिंह, रूवी कटियार, दिव्या नागर, राजकुमारी सुषमा, कान्ति वर्मा, अर्चना यादव, अखिलेश कुमारी आदि के सहयोग से आयोजन को सफल बनाया गया।

भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ने किया महिलाओं को सम्मानित

बख्शी तालाब विधायक योगेश शुक्ला, मोहनलालगंज विधायक अमरीश रावत व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंजू रस्तोगी ने अपने आवास पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला व मंडल पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया।

इस दौरान महिला पदाधिकारियों को माल्यार्पण, अंगवस्त्र व चांदी के मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय प्रभारी शैली रस्तोगी ने किया। वही जिला अध्यक्ष अंजू रस्तोगी ने पुनः भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बनने पर सभी को बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरीश रावत, बख्शी तालाब विधायक योगेश शुक्ला व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी रहे।

हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रहीः योगेश शुक्ला

विधायक योगेश शुक्ला ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए स्वरोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध करा रही है। हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के हितों को लेकर गंभीर है।

महिलाओं की समस्याओं का समाधान कराना हमारी प्राथमिकताः अमरीश रावत

मोहनलालगंज विधायक अमरीश रावत ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं का समाधान कराना हमारी प्राथमिकता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार संवदेनशीलः श्री कृष्ण लोधी

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार संवदेनशील है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामलाल महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा, अध्यक्ष अतुल मिश्रा, एनजीओ प्रकोष्ठ के संयोजक अरुण प्रताप सिंह, अखिलेश अवस्थी ज़िला संयोजक सोशल मीडिया उपस्थित रहे।

कार्यकर्म में नमिता द्विवेदी, शालिनी श्रीवास्तव, प्रतिभा वर्मा, मंजू त्रिवेदी, पिंकी शर्मा, ऋतु सिंह, जिया अरोड़ा, मालती मौर्य, सुनीता पांडे, शिल्पी मिश्रा, मंडल अध्यक्ष अनुराधा प्रजापति, कुसुम वर्मा, पूजा चौहान, पुष्पा सिंह, प्रियंका सिंह, गुड़िया गौतम,

सुनीता बाजपेई, सविता शुक्ला, विमलेश सिंह, सुधा सिंह, शालिनी सिंह, नीलम मिश्रा, रेखा, पूजा वर्मा, मधु चौरसिया, रीता निषाद, पुष्पा सिंह, सुनीता मिश्रा आदि ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

केजीएफ 2 ने पार किया 750 करोड़ का आंकड़ा, आरआरआर की चमक भी फीकी

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। शुक्रवार को रिलीज हुई शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर स्टारर नई फिल्म जर्सी को फिल्म केजीएफ 2 ने अपनी रिलीज के नौवें दिन धो डाला है। फिल्म केजीएफ 2 की कामयाबी का रथ दूसरे हफ्ते में भी अपनी पूरी रफ्तार में है और इसने रिलीज के दूसरे शुक्रवार को भी अपना कलेक्शन बीते दिन के मुकाबले ज्यादा नहीं गिरने दिया है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने रिलीज के पहले हफ्ते में 268.63 करोड़ रुपये की कमाई करके किसी भी हिंदी फिल्म की कमाई से ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड बना डाला है। अब फिल्म की कमाई एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर की अब तक हुई कमाई से भी ज्यादा हो चुकी है। फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई भी 750 करोड़ रुपये से ऊपर निकल चुकी है।

रिलीज के पहले हफ्ते में फिल्म केजीएफ 2 ने शानदार कलेक्शन किया। गुरुवार को रिलीज हुई इस फिल्म ने रिलीज के पहले आठ दिनों में ही तमाम रिकॉर्ड बना डाले। फिल्म का नौवें दिन का यानी रिलीज के दूसरे शुक्रवार का कारोबार भी उम्दा रहा है। फिल्म ने शुक्रवार को करीब 19 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन शुरूआती आंकड़ों के हिसाब से किया है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने शुक्रवार को करीब 12 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा केजीएफ 2 ने कन्नड में चार करोड़ रुपये, तेलुगू में करीब दो करोड़ रुपये, तमिल में करीब चार करोड़ रुपये और मलयालम में करीब दो करोड़ रुपये की कमाई की है। इन आंकड़ों में अंतिम संख्या आने तक थोड़ा बहुत फेरबदल भी हो सकता है।

अपनी लगातार उम्दा कमाई के चलते फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर 2 ने फिल्म आरआरआर की चमक को फीका कर दिया है। फिल्म आरआरआर को यश की फिल्म ने हर दिन मात दी है। फिल्म ह्यआरआरआर का बॉक्स ऑफिस सफर अगर दिनों के लिहाज से देखें तो इसके हिंदी संस्करण ने 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के तीसरे दिन, 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा रिलीज के पांचवें दिन, 150 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा नौवें दिन, 200 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के 17वें दिन और 250 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के 23वें दिन पार किया। फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर 2 ने कमाई के सारे पड़ाव अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में ही पार कर लिए।

फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 हिंदी ने रिलीज के पहले ही दिन 53.95 करोड़ रुपये कमा लिए थे। इसके बाद फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 46.79 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 42.90 करोड़ रुपये, चौथे दिन 50.35 करोड़ रुपये, पांचवें दिन 25.57 करोड़ रुपये, छठे दिन 19.14 करोड़ रुपये, सातवें दिन 16.35 करोड़ रुपये और रिलीज के आठवें दिन यानी गुरुवार को फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर हिंदी ने करीब 14 करोड़ रुपये की कमाई की। इस तरह फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही सिर्फ हिंदी में करीब 268.63 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 की कमाई 750 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी है। ये किसी भी भारतीय फिल्म की अब की आठवीं सबसे बड़ी कमाई है। फिल्म ने रजनीकांत की फिल्म 2.0 के लाइफटाइम कलेक्शन को भी मात दे दी है। फिल्म का कलेक्शन दूसरे हफ्ते में भी 100 करोड़ रुपये के करीब रहने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर फिल्म ऐसा करने में कामयाब रही तो ये बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया रिकॉर्ड भी होगा।केजीएफ 2 ने पार किया 750 करोड़ का आंकड़ा, आरआरआर की चमक भी फीकी

शुक्रवार को रिलीज हुई शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर स्टारर नई फिल्म जर्सी को फिल्म केजीएफ 2 ने अपनी रिलीज के नौवें दिन धो डाला है। फिल्म केजीएफ 2 की कामयाबी का रथ दूसरे हफ्ते में भी अपनी पूरी रफ्तार में है और इसने रिलीज के दूसरे शुक्रवार को भी अपना कलेक्शन बीते दिन के मुकाबले ज्यादा नहीं गिरने दिया है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने रिलीज के पहले हफ्ते में 268.63 करोड़ रुपये की कमाई करके किसी भी हिंदी फिल्म की कमाई से ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड बना डाला है। अब फिल्म की कमाई एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर की अब तक हुई कमाई से भी ज्यादा हो चुकी है। फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई भी 750 करोड़ रुपये से ऊपर निकल चुकी है।

रिलीज के पहले हफ्ते में फिल्म केजीएफ 2 ने शानदार कलेक्शन किया। गुरुवार को रिलीज हुई इस फिल्म ने रिलीज के पहले आठ दिनों में ही तमाम रिकॉर्ड बना डाले। फिल्म का नौवें दिन का यानी रिलीज के दूसरे शुक्रवार का कारोबार भी उम्दा रहा है। फिल्म ने शुक्रवार को करीब 19 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन शुरूआती आंकड़ों के हिसाब से किया है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने शुक्रवार को करीब 12 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा केजीएफ 2 ने कन्नड में चार करोड़ रुपये, तेलुगू में करीब दो करोड़ रुपये, तमिल में करीब चार करोड़ रुपये और मलयालम में करीब दो करोड़ रुपये की कमाई की है। इन आंकड़ों में अंतिम संख्या आने तक थोड़ा बहुत फेरबदल भी हो सकता है।

अपनी लगातार उम्दा कमाई के चलते फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर 2 ने फिल्म आरआरआर की चमक को फीका कर दिया है। फिल्म आरआरआर को यश की फिल्म ने हर दिन मात दी है। फिल्म ह्यआरआरआर का बॉक्स ऑफिस सफर अगर दिनों के लिहाज से देखें तो इसके हिंदी संस्करण ने 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के तीसरे दिन, 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा रिलीज के पांचवें दिन, 150 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा नौवें दिन, 200 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के 17वें दिन और 250 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा रिलीज के 23वें दिन पार किया। फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर 2 ने कमाई के सारे पड़ाव अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में ही पार कर लिए।

फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 हिंदी ने रिलीज के पहले ही दिन 53.95 करोड़ रुपये कमा लिए थे। इसके बाद फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 46.79 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 42.90 करोड़ रुपये, चौथे दिन 50.35 करोड़ रुपये, पांचवें दिन 25.57 करोड़ रुपये, छठे दिन 19.14 करोड़ रुपये, सातवें दिन 16.35 करोड़ रुपये और रिलीज के आठवें दिन यानी गुरुवार को फिल्म ह्यकेजीएफ चैप्टर हिंदी ने करीब 14 करोड़ रुपये की कमाई की। इस तरह फिल्म ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही सिर्फ हिंदी में करीब 268.63 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 की कमाई 750 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी है। ये किसी भी भारतीय फिल्म की अब की आठवीं सबसे बड़ी कमाई है। फिल्म ने रजनीकांत की फिल्म 2.0 के लाइफटाइम कलेक्शन को भी मात दे दी है। फिल्म का कलेक्शन दूसरे हफ्ते में भी 100 करोड़ रुपये के करीब रहने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर फिल्म ऐसा करने में कामयाब रही तो ये बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया रिकॉर्ड भी होगा।

पीएम से मिले अनुपम खेर

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान की कुछ तस्वीर इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर ने शेयर की है. इन तस्वीरों में वे बेहद खुश नजर आ रहे हैं. मोदी जी से मिलने के दौरान अनुपम खेर ने उन्हें रुद्राक्ष की माला दी. ये माला अनुपम खेर की मां दुलारी खेर ने पीएम के लिए भेजी थी.

बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वे अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से फैंस को अपडेट रखते हैं और उनके साथ इंटरैक्ट करना पसंद करते हैं. अनुपम खेर ने अपने करियर में बड़ा मुकाम हासिल किया है और इंडस्ट्री में उनका नाम है. उन्हें पद्मभूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है. अनुपम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुरीद हैं और हाल ही में उन्होंने नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की. एक्टर ने इस दौरान पीएम को खास भेंट दी.

नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान की कुछ तस्वीर इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर ने शेयर की है. इन तस्वीरों में वे बेहद खुश नजर आ रहे हैं. मोदी जी से मिलने के दौरान अनुपम खेर ने उन्हें रुद्राक्ष की माला दी. ये माला अनुपम खेर की मां दुलारी खेर ने पीएम के लिए भेजी थी.

अनुपम खेर द्वारा शेयर की गई फोटोज में पीएम मोदी रुद्राक्ष की माला एक्टर के हाथों से लेते नजर आ रहे हैं. दोनों की ये हालिया मुलाकात चर्चा में है और इस दौरान की फोटोज भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

फोटोज शेयर करने के साथ अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा- "आदरणीय प्रधानमंत्री आज आपसे मिलकर मन और आत्मा दोनों प्रसन्न हुए. आप देश के लिए, देशवासियों के लिए दिन रात जो कार्य और मेहनत कर रहे हैं उसके लिए आपको धन्यवाद कहने का मौका मिला. जिस श्रद्धा के साथ आपने मेरी मां द्वारा आपकी रक्षा के लिए रुद्राक्ष की माला स्वीकार की वो हम और दुलारी जी हमेशा याद रखेंगे. प्रभु आप पर हमेशा अपनी कृपा बनाये रखे और ऐसे ही हम सबको ऊर्जा देते रहें!

बता दें कि अनुपम खेर अपनी मां दुलारी खेर के बहुत करीब हैं. वे मां संग फनी वीडियोज शेयर करते रहते हैं. दोनों की क्यूट बॉन्डिंग सभी के चेहरे पर मुस्कुराहट ला देती है. इसके अलावा अनुपम खेर अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देते हैं और लोगों को भी फिट रहने के लिए इन्करेज करते रहते हैं. वे 67 साल के हो चुके हैं और अभी भी उनकी फिटनेस लोगों को चकित कर देती है. वर्क फ्रंट की बात करें तो कुछ समय पहले ही उनकी फिल्म द कश्मीर फाइल्स रिलीज हुई थी. फिल्म को दर्शकों का बहुत सपोर्ट मिला और नरेंद्र मोदी ने भी फिल्म की तारीफ की. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की

खेती छोड़ शहर की तरफ पलायन क्यों कर रहा किसान

किसानों की आर्थिक दुर्दशा की पड़ताल करना जरूरी

लखनऊ (करण वाणी)। एक जमाना था, जब हमारे देश में खेती को सबसे उत्तम कार्य माना जाता था। महाकवि घाघ की एक प्रसिद्ध कहावत थी,

उत्तम खेती, मध्यम बान।
निषिद्ध चाकरी, भीख निदान।

अर्थात खेती सबसे अच्छा कार्य है। व्यापार मध्यम है, नौकरी निषिद्ध है और भीख मांगना सबसे बुरा कार्य है। लेकिन आज हम अपने देश की हालत पर नजर डालें तो आजीविका के लिए निश्चित रूप से खेती सबसे अच्छा कार्य नहीं रह गया है। हर दिन देश में लगभग 2000 किसान खेती छोड़ देते हैं और बहुत सारे किसान ऐसे हैं जो खेती छोड़ देना चाहते हैं। देश के किसी ना किसी हिस्से में किसानों को आए दिन सड़कों पर आंदोलन करने के लिए उतरना पड़ रहा है। देश में पिछले कई साल से हर साल हजारों किसान निराश होकर आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर हो गए हैं। देश में हर घंटे एक से ज्यादा किसान आत्महत्या कर रहा

है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 58% आबादी खेती पर निर्भर है। इतने बड़े तबके की अशांति देश के लिए अच्छा संकेत नहीं है। देश में लगातार हो रहे ये आंदोलन एक गंभीर संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। हाल ही के समय में जाट, मराठा, पाटीदार जैसी कृषि आधारित मजबूत मानी जाने वाली जातियों के जातिगत आरक्षण के आंदोलन की जड़ें भी कहीं ना कहीं कृषि क्षेत्र में छाए संकट से ही संबंधित हैं। पिछले कई साल से ग्रामीण क्षेत्रों में खेती की मौजूदा स्थिति को लेकर एक खतरनाक आक्रोश पनप रहा है। अगर समय रहते समझकर इसका समाधान न किया गया तो पूरा देश एक भयंकर आंदोलन की चपेट में आ सकता है। खेती किसानी की इस दुर्दशा के मूल कारणों की पड़ताल करना जरूरी है। आखिर क्या वजह है कि आज खेती किसानी चहुं ओर से संकट में घिरी दिखाई दे रही है और किसान की स्थिति चक्रव्यूह में

किसान निराश होकर आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर

फंसे अभिमन्यु जैसी नजर आ रही है।

कभी छत्तीसगढ़ के किसान सड़क पर टमाटर फेंक देते हैं तो कभी कर्नाटक व देश के कई हिस्सों में किसान प्याज सड़कों पर फेंकने पर मजबूर हो जाते हैं। हरियाणा से किसान को आलू 9 पैसे प्रति किलो बिकने की खबर आती है। तो महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश में फल सब्जिया व दूध सड़कों पर बहाकर किसान आंदोलन करते हैं। आज हमारे देश में एक भी प्रदेश ऐसा नहीं है जहां से किसान की दुर्दशा की खबरें न आती हों।

गांव या जिला स्तर पर बीज, पेस्टिसाइड आदि की सरकारी व्यवस्था समुचित न होने के चलते किसान इन सबके लिए ज्यादातर प्राइवेट कंपनियों के उत्पादों पर ही निर्भर रहता है। महंगे बिकने वाले पेस्टिसाइड से कीटों पर नियंत्रण होता है, फसलों की उत्पादकता बढ़ जाती है। पर जैविक या प्राकृतिक खेती की अपेक्षा ये रासायनिक खेती किसान का खर्चा बढ़ाने के साथ मिट्टी की उर्वरक क्षमता, पर्यावरण, विलुप्त होती प्रजाति , किसान व उपभोक्ता के स्वास्थय की दृष्टि से बहुत घातक सिद्ध होते हैं। एक बार इनका प्रयोग करने पर, जमीन इनकी आदी बन जाती है, फिर इनको बार-बार इस्तेमाल करना पड़ता है। इनकी कीमत पर सरकार का नियंत्रण न होने के चलते, किसान इनको बहुत महंगे दामों पर खरीदने को मजबूर रहता है। इन सब के लिए किसानों की बाजार पर निर्भरता खेती की लागत को बहुत ज्यादा बढ़ा रही है। 51 से ज्यादा ऐसे पेस्टिसाइड हैं जो दुनिया के बाकी देशों में प्रतिबंधित है पर भारत सरकार ने उनको हमारे देश में अब भी प्रयोग करने की इजाजत दी हुई है। किसानो में भी दिल, कैंसर व अन्य बीमारिया अब आम हो गई हैं।

मजदूरी की लागत का बढ़ना : खेतों में काम के लिए मजदूरों का मिलना एक बड़ी समस्या बन गई है। एकल परिवार होने के चलते अब छोटे किसानों को भी मजदूरों की आवश्यकता पड़ती है। मनरेगा के चलते मजदूरी की दर भी बढ़ गई है। इस कारण खेती में आने वाली लागत काफी बढ़ गई है।

खेत की जोत का छोटा होते जाना : कई अन्य कारणों के अलावा, परिवारों में बंटवारे के चलते भी पीढ़ी दर पीढ़ी खेती की जोत का आकार घटता जा रहा है। देश के लगभग 85% किसान परिवारों के पास 2 हेक्टेयर से कम जमीन है। इससे भी प्रति एकड़ खेती की लागत बढ़ जाती है। कभी ना खत्म होने वाला कर्ज का जालः एक बार किसान कर्ज के चंगुल में फंसता है तो फिर बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

खेती में नहीं होगा डीजल का इस्तेमाल

ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा है कि भारत में अगले दो सालों में कृषि में डीजल का इस्तेमाल लगभग समाप्त हो जाएगा, बिजली मंत्रालय ने किसानों को डीजल से चलने वाले सिंचाई पंपों के स्थान सौर ऊर्जा का चलने वाले सिंचाई पंपों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

नई दिल्ली (करण वाणी, न्यूज)। सरकार ने डीजल के उपयोग को खत्म करने के लिए एक अहम कदम उठाया है, भारत 2024 तक खेतों में डीजल के उपयोग को शून्य करने और कृषि क्षेत्र को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलने की उम्मीद कर रहा है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा है कि भारत में अगले दो सालों में कृषि में डीजल का इस्तेमाल लगभग समाप्त हो जाएगा, खेती में डीजल के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा के साथ जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल होगा.

ऊर्जा मंत्रालय और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ऊर्जा मंत्री ने ऊर्जा दक्षता उपायों की बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक नए और आधुनिक भारत के लिए काम कर रही है, जो आधुनिक बिजली सिस्टम के बिना नहीं हो सकता है, और आधुनिक भारत के लिए वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ काम करने के

लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक भवनों को ईसीबीएस (एउइर) का पालन करना चाहिए और घरेलू भवनों को ईको निवास (एउड ठक्ष्अर) का पालन करना चाहिए, उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण की मदद से बिजली की सभी मांग को गैर-जीवाश्म ईंधन विधियों से पूरा किया जाएगा।

सौर सिंचाई पंप

बिजली मंत्रालय ने किसानों को डीजल से चलने वाले सिंचाई पंपों के स्थान सौर ऊर्जा का चलने वाले सिंचाई पंपों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया है. सरकार द्वारा अब कई सोलर पंप योजनाएं चलाई जा रही है, इन योजनाओं के तहत किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपों के लिए आर्थिक मदद भी मुहैया कराई जाती है, राज्य सरकारों ने भी सोलर सिंचाई पंप को स्थापित करने के लिए सब्सिडी देना शुरू किया है।

किसानों की बढ़ेगी आय

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल ईंधन खपत का लगभग 2/5 हिस्सा डीजल का है, भारत का कृषि सेक्टर ईंधन खासकर डीजल के सबसे बड़े यूजर्स में से एक है, ऐसे में सौर ऊर्जा को इस्तेमाल करने का यह कदम सबसे कारगर साबित हो सकता है, इससे डीजल की खपत कम तो होगी और किसानों का खर्चा भी बच सकेगा।

करें गम्हार, चंदन व सागवान के पेड़ों की खेती करोड़ों में पहुंच जाएगा आपका मुनाफा

लखनऊ (करण वाणी)। भारत में तकरीबन आधी आबादी कृषि और कृषि से जुड़े क्षेत्र पर निर्भर है. ऐसे में सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसानों की आय बढ़ाकर उनका जीवनस्तर सुधारने का है. इसी कड़ी में सरकार और कृषि विशेषज्ञ किसानों को अपने घर और खेतों के आसपास मुनाफा देने वाले पेड़ों को लगाने की सलाह देते हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ पेड़ लगाकर किसान कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमा सकता है. इससे उसके जीवनस्तर में खासा सुधार होगा. हालांकि पेड़ लगाने वाले किसानों के अंदर धैर्य होने की बहुत जरूरत है. ये एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट है, जो आगे चलकर किसानों को मालामाल कर सकती हैं।

गम्हार के पेड़ की खेती

इस पेड़ का विकास बेहद तेजी से होता है, साथ ही इसके पत्तो का इस्तेमाल कई दवाओं को बनाने में किया जाता है, माना जाता है कि अलसर जैसी समस्या के खिलाफ भी इसकी पत्तियां बेहद फायदेमंद है, इसके अलावा इसकी लकड़ियों से कई तरह के फर्नीचर भी बनाए जाते हैं, गम्हार के एक एकड़ में 500 पौधे लगाए जाते हैं, अगर गम्हार के पेड़ की खेती में लागत की बात करें तो इसमें कुल लागत 40 - 55 हजार तक लागत आती है. इस पेड़ से एक एकड़ में कुल एक करोड़ की कमाई की जा सकती है।

चंदन की खेती

चंदन के पेड़ों के कटाई के ऊपर आपने कई फिल्मे आपने देखी होंगी, यह इतना मुनाफा देने वाला पेड़ है कि सरकार ने निजी तौर इसके खरीद फरोख्त पर रोक लगा दी है, फिलहाल इसकी खेती करने वाले किसान इसकी लकड़ियां केवल सरकार को ही बेच सकते हैं. चंदन के एक एकड़ में 500 पौधे लगते है. अगर चंदन के पेड़ की खेती में लागत की बात करें तो इस में कुल लागत 40 - 60 हजार तक आती है, कुल लागत 40-60 हजार तक आती है, वहीं, अगर चंदन के पेड़ की खेती में कमाई की बात करें तो इसके एक पेड़ की कीमत न्यूनतम 50 हजार होती, एक एकड़ में आप 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर सकते हैं।

सागवान की खेती

सागवान की लकड़ी की क्वालिटी इतनी बेहतर होती है कि इसकी डिमांड प्रतिदिन तेजी से बढ़ रही है. इसकी लकड़ी को ना तो दीमक लगती है और ना ही ये पानी में खराब होती है. इसलिए इसकी लकड़ी फर्नीचर बनाने में ज्यादा इस्तेमाल की जाती है,

लखीमपुर खीरी हिंसाः आरोपी आशीष मिश्रा ने सीजेएम कोर्ट में किया सरेंडर

अहम बिंदु

पुलिस ने बाद में इस मामले में आशीष को गिरफ्तार कर लिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आशीष को नियमित जमानत दे दी थी और कहा था कि यह मामला वाहन से टक्कर मारने की दुर्घटना का है।

मगर सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द करते हुए कहा कि पीड़ितों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में निष्पक्ष और प्रभावी सुनवाई से वंचित कर दिया गया, जिसने सबूतों को लेकर अदूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया।

लखीमपुर (करण वाणी, न्यूज)। यूपी के गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे और लखीमपुर हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा ने रविवार को लखीमपुर की एक स्थानीय अदालत में सरेंडर किया. आशीष मिश्रा ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चिंताराम की अदालत में सरेंडर किया और उन्हें जेल भेज दिया गया।

आशीष के वकील अवधेश सिंह ने से कहा, 'आशीष ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। हमें एक सप्ताह का समय दिया गया है, लेकिन सोमवार को आखिरी दिन होने के कारण उसने एक दिन पहले आत्मसमर्पण कर दिया, जेल अधीक्षक पीपी सिंह ने कहा कि आशीष को सुरक्षा कारणों से अलग बैरक में रखा जाएगा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत 18 अप्रैल को को रद्द कर दी थी और उन्हें एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा था।

अदालत ने कहा था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पीड़ितों को निष्पक्ष एवं प्रभावी तरीके से नहीं सुना गया, क्योंकि उसने (उच्च न्यायालय ने) साक्ष्यों को लेकर संकुचित दृष्टिकोण अपनाया।

उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि उच्च न्यायालय ने अप्रासंगिक विवेचनाओं को ध्यान में रखा और प्राथमिकी की सामग्री को अतिरिक्त महत्व दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रासंगिक तथ्यों और इस तथ्य पर ध्यान देने के बाद कि पीड़ितों को सुनवाई का पूरा अवसर

नहीं दिया गया था, गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से सुनवाई के लिए जमानत अर्जी को वापस भेज दिया।

पिछले साल तीन अक्तूबर को लखीमपुर खीरी में हिंसा के दौरान आठ लोग मारे गए थे। यह हिंसा तब हुई थी जब कृषि कानूनों के खिलाफ आक्रोशित किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के केंद्रीय मंत्री के गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में जाने का विरोध कर रहे थे। मृतकों में चार किसान और एक पत्रकार शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रही कारों ने कुचल दिया था. घटना के बाद गुस्साए किसानों ने वाहन चालक और दो भाजपा कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला था।

विश्वविद्यालय समाज हित में कार्य करें: राज्यपाल

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आई0आई0टी0 रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण करने पर आयोजित समारोह में प्रतिभाग किया।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज आई0आई0टी0 रूड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर द्वारा आई0आई0टी0 रूड़की विश्वविद्यालय की स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित ह्यउल्लास ग्लोबल थोमसो 175 समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आई0आई0टी0 रूड़की विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपना सम्मानजनक स्थान बनाया है। देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सभी को इस महोत्सव के उत्सव में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों को अपने परिसर से बाहर निकलकर समाज हित में कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आंगनवाड़ी केन्द्रों, गांवों तथा प्राथमिक स्कूलों को गोद लेकर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने, क्षयरोग से ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर पोषण सामग्री तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग देकर समाज के लोगों का कल्याण कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों छात्रों और शोधकताओं से गांवों और पिछड़े क्षेत्रों में जाकर महिलाओं, बच्चों और वृद्धों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके समाधान और उपायों विषयक शोध और संसाधन वृद्धि में कारगर उपायों को सुझाने वाले कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल जी ने कहा कि युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के वाहक होते हैं। कम्प्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा दिमाग की ही

उपज रही है। युवाओं के कौशल विकास को बढ़ाने में विश्वविद्यालय का एल्यूमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज टेक्नॉलाजी की जरूरत और इसके प्रति आस्था देश के युवाओं को नये इनोवेशन से जोड़ रही है। किसी भी टेक्नॉलॉजी की वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब उससे समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हैं।

समारोह में उपस्थित संस्थान के पुराने छात्रों को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि युवाओं का कौशल विकास बढ़ाने में आपका एल्युमनी नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने एल्युमनी एसोसिएशन से जुड़े महानुभावों को देशहित में लक्ष्य तय करके योगदान देने के लिए कहा। विश्व में भारतीय प्रतिभाओं के उल्लेखनीय योगदान की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि अन्य देशों को अपनी प्रतिभा का लाभ दे रहे हमारे भारतीय युवाओं को अपने देश के लिए भी कार्य करने पर विचार करना चाहिए।

कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने स्मारिका एवं आई0आई0टी0 रूड़की एल्यूमनी एसोसिएशन के लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट का विमोचन भी किया । इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। राज्यपाल जी ने समारोह में लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी लखनऊ एवं आई0आई0टी0 रूड़की के पूर्व छात्र श्री अभिषेक प्रकाश, आईआईटीआरएए के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल श्री विश्वम्भर सिंह, यूपीपीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त ई एण्ड सी, श्री धर्मवीर जैन, यूनिसेफ से सेवानिवृत्त श्री वाईडी0 माथुर, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष श्री अनुज वार्ष्णेय, आईआईटीआरएए लखनऊ चैप्टर के सचिव श्री अजय श्रीवास्तव एवं विभिन्न प्रांतों से आये हुए अभियन्तागण उपस्थित थे।

इटावा गांव में पहुंचा बाबा का बुल्डोजर

सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से कराया गया मुक्त

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। इटावा जिले में अधिकांश ग्राम क्षेत्रों में दबंगों द्वारा ग्राम पंचायत की भूमि पर कब्जे की शिकायतें लगातार आती रहती हैं. आरोप है कि इस ओर प्रशासन ध्यान नहीं देता है और दबंग भूमि पर काबिज रहते हैं. ऐसा ही एक वाकया सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत जुगरा मऊ गांव से आया है. खबर है कि यहां दबंगों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था. वहीं, अब मामले का संज्ञान लेते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग ने 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' के तहत 'बाबा के बुल्डोजर' की मदद से ग्राम पंचायत की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सदर तहसील क्षेत्र के जुगरा मऊ गांव में ग्राम पंचायत की भूमि पर दबंगों ने कब्जा कर रखा था, जिसकी शिकायत ग्राम प्रधान की ओर से कई बार की गई थी. वहीं, रविवार को प्रशासन और पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने शिकायत का संज्ञान लेकर 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' के तहत ग्राम पंचायत की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया. अवैध कब्जे पर जैसे ही बुल्डोजर चला तो ग्रामीणों में चर्चा का विषय बन गया. इस कार्रवाई से यह संदेश दिया गया कि 'किसी भी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों पर बुल्डोजर चलेगा।

खबर है कि जिस ग्राम पंचायत की भूमि पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा था उस पर अब पंचायत भवन का निर्माण कराया जाएगा। तहसीलदार (राजस्व) श्रीराम यादव ने बताया, "यह भूमि ग्राम पंचायत की है. इस पर किसी साधु राम नाम के युवक ने अवैध कब्जा कर रखा था, जिसको हटा दिया

गया है. अब यह भूमि ग्राम पंचायत को सौंप दी गई है. इस पर अब ग्राम पंचायत भवन का निर्माण कराया जाएगा. अब किसी प्रकार की पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

खेलो से राष्ट्रप्रेम धैर्य, उत्साह, नेतृत्व व

अनुशासन जैसे गुण का होता है विकासः डीजीपी

▶▶ उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन, डीजीपी ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

▶▶ बरेली जोन की महिला आरक्षी पल्लवी व पी.ए.सी. पश्चिम जोन के आरक्षी बलराम ने प्राप्त किया सर्वश्रेष्ट एथलीट खिलाड़ी होने का गौरव

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने 35वीं वाहिनी पी.ए.सी. महानगर लखनऊ स्थित शहीद चन्द्रशेखर आजाद क्रीड़ा संकुल में उ.प्र. पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतियोगियों के मार्चपास्ट का मान-प्रणाम ग्रहण किया गया।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक पी.ए.सी. द्वारा पुलिस महानिदेशक, को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रतियोगिता में उ.प्र. पुलिस के 13 जोन के कुल 949 खिलाड़ियों, जिसमें 716 पुरूष खिलाड़ियों तथा 233 महिला खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ अपर पुलिस महानिदेशक, पी.ए.सी. उ.प्र. द्वारा दिनांक 20.04.2022 को किया गया था।

पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. द्वारा 70 वीं उ.प्र. पुलिस वार्षिक एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता 2022 के विजेताओं को चल वैजन्ती प्रदान की गयी तथा प्रतियोगिता में विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में बरेली जोन एवं पुरूष वर्ग में पी.ए.सी. लखनऊ जोन की पुरूष टीम ने चल वैजयन्ती प्राप्त की। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में बरेली जोन की महिला आरक्षी पल्लवी ने 879 अंक एवं पुरूष वर्ग में आरक्षी बलराम पी.ए.सी. पश्चिम जोन ने 925 अंक प्राप्त कर प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ट एथलीट खिलाड़ी होने का गौरव प्राप्त किया।

पुलिस महानिदेशक उ.प्र. द्वारा प्रतियोगिता में विजयी होने वाले सभी प्रतिभागियां को बधाई देते हुये यह अपेक्षा की गयी है कि शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिये जीवन में खेलों हमेशा महत्व रहा है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तभी मन स्वस्थ्य होगा और तभी स्वस्थ्य बौधिकता से व्यक्ति अपने दैनिक क्रिया क्लापों को कर सकता है। खेलो से राष्ट्रप्रेम धैर्य, उत्साह, नेतृत्व और अनुशासन जैसे गुण व संघर्ष करने की क्षमता का विकास होता है। श्रेष्ठ खिलाडियों के यही गुण श्रेष्ठ पुलिसकर्मी को तैयार करते है।

पुलिस महानिदेशक ने किया कानपुर आउटर का भ्रमण निरीक्षण व समीक्षा बैठक

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। मुकुल गोयल पुलिस महानिदेशक उप्र द्वारा कानपुर आउटर का भ्रमण/निरीक्षण एवं नव सृजित रिजर्व पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय कानपुर आऊटर की शिलापट्टिका का अनावरण किया गया तथा नव सृजित महिला थाना सजेती, महिला थाना चौबेपुर व महिला थाना सचेंड़ी में नव नियुक्त महिला प्रभारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया तथा नव सृजित महिला थाना के वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। वही कानपुर जोनल कैम्प कार्यालय प्रंगढ़ में नव निर्मित बैरक, सुरक्षापथ एवं प्रवेश द्वार का उदघाटन किया।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा कानपुर भ्रमण के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन के जोनल सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर जोन व कमिश्नरेट कानपुर नगर के अधिकारीगण यथा अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, पुलिस आयुक्त कानपुर नगर, पुलिस महानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र, पुलिस उप महानिरीक्षक झाँसी परिक्षेत्र, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी, पुलिस अधीक्षक कानपुर आउटर, पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात, पुलिस अधीक्षक औरैया, पुलिस अधीक्षक कन्नौज, पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़, पुलिस अधीक्षक ललितपुर, पुलिस अधीक्षक जलौन के साथ समीक्षा बैठक की गयी।

माफियाओं की अवैध संपत्ति पर और चलेंगे बुल्डोजर

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। उत्तर प्रदेश में माफिया और अपराधियों के आर्थिक साम्राज्य पर पुलिस की कार्रवाई अगले 2 सालों में और तेज होगी. यूपी पुलिस ने अगले 2 साल में माफियाओं की 12 सौ करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त करने का टारगेट रखा है. बता दें कि बीते 5 सालों में यूपी पुलिस 2000 करोड़ रुपये से अधिक की माफियाओं और अपराधियों की अवैध संपत्ति पर कार्रवाई कर चुकी है।

गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराधियों और माफियाओं की काली कमाई पर कार्रवाई करने में जुटी उत्तर प्रदेश पुलिस अब अगले 2 सालों में माफियाओं के आर्थिक साम्राज्य को पूरी तरह ध्वस्त करने में जुटेगी. यूपी पुलिस ने 2 साल में गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत माफियाओं की 12 सौ करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को जब्त करने का लक्ष्य रखा है।

हाल ही में मुख्यमंत्री के सामने दी गई प्रेजेंटेशन में यूपी पुलिस ने अपने इस नए टारगेट को बताया है. बता दें कि

2017 में यूपी में योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश के टॉप 25 माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई का अभियान चलाया गया था. अब इसका दायरा बढ़ाकर प्रदेश के टॉप 50 माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का लक्ष्य रखा गया है. माफियाओं के खिलाफ होने वाली कार्रवाई की शासन स्तर पर हर हफ्ते समीक्षा की जाएगी. साथ ही इन माफियाओं के खिलाफ कोर्ट में चल रहे लंबित मामलों में भी सजा कराने का लक्ष्य रखा गया है।

अन्य विभागों की तरह यूपी पुलिस ने भी अगले 100 दिन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए शराब माफिया, पशु तस्कर, वन माफिया, खनन माफिया, शिक्षा माफिया आदि को चिह्नित कर 500 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त करने का लक्ष्य रखा है. वहीं, अगले 6 महीने में यह लक्ष्य बढ़कर 800 रुपये करोड़ होगा.

बता दें कि 2017 में बीजेपी सरकार बनने के बाद ही मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, खान मुबारक, अनिल दुजाना जैसे माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर 2081 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई।

इनमें मुख्तार, अतीक जैसों के गैंग मेंबर पर भी कार्रवाई की गई. 700 से अधिक सदस्य और सहयोगियों पर 286 मामले दर्ज किए गए. 327 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. 102 पर गुंडा एक्ट लगा. 286 पर गैंगस्टर एक्ट लगा और 7 लोगों पर एनएसए तक लगाया गया।

माननीय ऊर्जा मंत्री जी एक नजर इधर भी.....

अघोषित विद्युत कटौती से पुराने वाले शर्मा को याद कर रही प्रदेश की जनता

पूरी तरह चरमराई विद्युत व्यवस्था, क्या नए वाले शर्मा जी से नहीं संभल रहा विद्युत विभाग

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ। देश के बड़े नौकर शाह रहे वर्तमान में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के शर्मा ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने और इसमें संभावित सुधार को लेकर अधिकारियों को निर्देश तो जारी कर दिए लेकिन जमीनी हकीकत इससे कुछ परे है।

पुराने ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के जाने के बाद जब से नए वाले शर्मा जी ने कुर्सी संभाली है तब से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। इसका कारण नगर विकास सौर ऊर्जा जैसे दो भारी-भरकम विभाग ए के शर्मा के पास होना बताया जा रहा है। दोनों विभाग बहुत बड़े हैं इससे करण शर्मा जी विद्युत विभाग पर ध्यान नहीं दे पा रहे, बढ़ती हुई गर्मी के बीच विकास विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। यही कारण है कि लोग नए वाले ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को छोड़कर पुराने वाले ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को याद कर रहे हैं।

लखनऊ स्थित सरोजिनी नगर के बनी पावर हाउस में अघोषित विद्युत कटौती से लोग परेशान हो चुके हैं। आलम यह है कि कब बिजली कट जाए कुछ पता नहीं होता। बिजली कट जाने से लोग अंधेरे में रहने के लिए विवश हो जाते हैं। गर्मी के चलते लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती।

ग्रामीण क्षेत्रों में जब गर्मी बढ़ जाती है तो विद्युत व्यवस्था धराशाई हो जाती है। शाम के समय जब बिजली सप्लाई की सबसे अधिक जरूरत होती है तब भी बिजली की आवाजाही का खेल शुरू हो जाता है। बिजली कटौती किए जाने से लोग रात में बिलबिला उठते हैं। रात के समय में सबसे अधिक बिजली कटौती होती है। अचानक बिजली कट जाने के बाद पंखे बन्द हो जाते हैं। जिसके बाद लोग गर्मी की वजह से सो नहीं पाते है। ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। सामान्य रूप से इसका कारण बिजली की अधिक खपत होने तथा ओवरलोड को बताया जाता है। इस समय किसानों के लिए सब्जी की खेती की सिंचाई भी करनी होती है। लेकिन बिजली कटौती से सिंचाई भी नहीं हो पाती।

सपा आजम के साथ है, जमानत के लिए प्रयास करेंगेः अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने सपा नेता आजम खां को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम उनकी जमानत के लिए प्रयास कर रहे हैं।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां विवाद पर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरी समाजवादी पार्टी आजम खां के साथ में खड़ी है। हम उनकी जमानत के प्रयास करेंगे।

वहीं, सपा प्रतिनिधिमंडल के आजम से सीतापुर में मुलाकात न होने पर अखिलेश ने कहा कि मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। शनिवार को सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव आजम खां से मिलने के लिए जेल पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने बयान दिया था कि अखिलेश यादव आजम की जमानत के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं। अगर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव प्रदर्शन करते तो जरूर आजम को जमानत मिल जाती पर इसके लिए प्रयास नहीं किए गए। शिवपाल के इस बयान से हड़कंप मच गया। रविवार को सपा नेता रविदास मेहरोत्रा सीतापुर जेल गए थे पर आजम से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि आजम खां ने मिलने से इनकार कर दिया। अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में महिला उपनिरीक्षक रश्मि यादव के परिजनों से मिलने के लिए गए थे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग पर राजनीतिक दबाव है। पुलिसकर्मियों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है और उनकी मदद से सरकार कानून व्यवस्था को लेकर अपनी नाकामियां छिपा रही है। अमेठी जिले के थाना मोहनगंज में तैनात दरोगा रश्मि यादव का शव शुक्रवार को फांसी के फंदे से लटका मिला था। राजधानी लखनऊ के थाना गोसाईगंज की निवासिनी रश्मि यादव लगभग दो वर्षों तक थाना मोहनगंज में स्थापित महिला चौकी प्रभारी के पद पर तैनात रहीं। अखिलेश यादव ने रविवार को उनके परिजनों से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिसकर्मियों का इस्तेमाल कर चुनाव जीते जा रहे हैं। पहले पंचायत चुनाव और फिर यूपी चुनाव में साफ नजर आया कि पुलिसकर्मियों पर भाजपा सरकार को जिताने का दबाव था।

जेल पहुंचे सपा विधायक से नहीं मिले आजम खान

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि सीतापुर जेल में बंद रामपुर से समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक आजम खान अब शायद अपनी ही पार्टी से रूठ गए हैं. इस बात की बानगी तब देखने को मिली जब अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली एसपी के विधायक रविदास मेहरोत्रा रविवार को आजम खान से मिलने के लिए सीतापुर जेल पहुंचे. रिपोर्ट्स के अनुसार, आजम ने अपनी नासाज तबियत का हवाला देकर एसपी विधायक से मिलने से इनकार कर दिया. मगर दूसरी तरफ रविदास मेहरोत्रा ने अपने कुछ और ही दावे हैं पेश किए. उन्होंने कहा, "प्रशासन का कहना है कि आजम खान साहब की तबीयत खराब है और वह दवा खाकर सो रहे हैं."

आपको बता दें कि एसपी विधायक रविदास मेहरोत्रा रविवार को आजम खान से मिलने के लिए सीतापुर जेल पहुंचे. मगर इस दौरान उनकी आजम खान से मुलाकात नहीं हो सकी. इसके बाद मेहरोत्रा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कई संगीन आरोप लगाए. उन्होंने कहा, "हम लोगों को ये आशंका है कि कहीं जेल में आजम खान साहब की हत्या न करवा दी जाए. बीजेपी की सरकार लगातार दमन करने का काम कर ही है."

शिवपाल से कर ली थी आजम ने मुलाकात

हाल ही में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के मुखिया और अपने भतीजे अखिलेश यादव से नाराज बताए जा रहे शिवपाल सिंह यादव ने सीतापुर जेल पहुंचकर आजम खान से मुलाकात की थी. अब चर्चा यह है अगर आजम शिवपाल से मुलाकात कर सकते हैं, तो उन्होंने अपनी ही पार्टी के विधायक से मिलने से क्यों इनकार किया, गौरतलब है कि शिवपाल यादव ने आजम खान से मुलाकात के बाद एसपी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाजवादी पार्टी अपने सबसे वरिष्ठ नेता और संस्थापक सदस्य आजम खान के लिए न तो संघर्ष कर रही है और न ही मदद कर रही है.'

उत्तर प्रदेश की सियासत के हिसाब से अब लोगों के मन में यही सबसे बड़ा सवाल तैर रहा है कि अखिलेश के विधायक से न मिलकर कहीं आजम समाजवादी पार्टी को एक बड़ी चुनौती तो नहीं दे रहे हैं? अब देखना यही दिलचस्प होगा कि आजम खान जेल से बाहर आने के बाद क्या अपने लिए कोई नई राह की तलाश करेंगे या एसपी के बैनर तले ही अपनी राजनीति को धार देंगे.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800